यूपी ने आर्थिक शक्ति केंद्र के रूप में देश में बनाई पहचान

प्रदेश पर उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई के शोध की रिपोर्ट में खुलासा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी ने देश की अर्थव्यवस्था में मजबूत आर्थिक शक्ति केंद्र के रूप में पहचान बनाई है। इसमें जीडीपी की मजबूती, व्यापार करने की सुगमता, निवेश आकर्षक गंतव्य और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा मुख्य हैं। यह खुलासा उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई की यूपी पर शोध रिपोर्ट से हुआ है। सोमवार को ये रिपोर्ट चैंबर के महासचिव डॉ. रंजीत मेहता ने इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को सौंपी।

शोध रिपोर्ट में यह संकेत दिया गया है कि राज्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। चैंबर के महासचिव ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि राज्य की जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) वर्ष 2020-21 में 16.44 लाख करोड़ से बढ़कर 2023-24 में 25.47 लाख करोड़ हो गई है। राज्य की अर्थव्यवस्था 2017-18 से 2019 20 (मौजूदा मूल्य) के बीच औसतन 9.6% की दर से बढ़ी। कोविड महामारी के बावजूद 2021-22 से 2023-24 तक औसतन 15.7% की वृद्धि हुई। पीएचडीसीसीआई का अनुमान है कि यूपी एक मजबूत मार्ग पर है जो उसे दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देगा।

उन्होंने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था सेवा, कृषि और उद्योग तीन प्रमुख क्षेत्रों से संचालित है। सेवाओं में पर्यटन, रियल एस्टेट, वित्त और आतिथ्य शामिल हैं। इनका जीएसडीपी में 46.5% योगदान है। कृषि में दो तिहाई श्रमबल खेती में लगा है और यह अर्थव्यवस्था में 27% का योगदान देता है। उद्योग का जीएसडीपी में 26.5% का योगदान है। महासचिव ने कहा कि राज्य की रणनीतिक स्थिति और बुनियादी ढांचे में किए गए महत्वपूर्ण निवेशों ने इसे औद्योगिक केंद्र के रूप में आकर्षक बना दिया है।

यूपी ने व्यापार करने की सुगमता रैंकिंग में सुधार कर नियमों को सरल बनाया है। इन सुधारों के साथ डिजिटलाइजेशन और बुनियादी ढांचे के विकास ने व्यापार के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है। इसी का नतीजा है कि अक्तूबर 2019 से जून 2024 तक कुल 1.68 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आया है।

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ को संगठन ने सौंपी रिपोर्ट

अभिषेक प्रकाश।

एफडीआई में यूपी का देश में 10वां स्थान

महासचिव डॉ. मेहता ने बताया कि यूपी देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में 10वें स्थान पर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रदेश को बुनियादी ढांचे, उद्योग और प्रौद्योगिकी में लगातार निवेश की जरूरत है। प्रदेश में कौशल विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिकीकरण से प्रति व्यक्ति आय 2023-2024 में 93,514 रुपये तक पहुंच गई जो इससे पिछले वर्ष से 14% ज्यादा है।